SHRI K. K. RAGESH (Kerala): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI D. RAJA (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It is not a Catholic issue. It is an issue concerning all of us. I think hon. External Affairs Minister has already made a statement.

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY (SHRIMATI NIRMALA SITHARAMAN): Sir, I am sure the House is aware that the External Affairs Minister, Shrimati Sushmaji, had spoken about it and efforts were being made on this issue. Because he is an Indian citizen, we all have to be concerned about this. I am sure the External Affairs Ministry will be able to give extra information on the latest position. I have got up only to remind that the House was earlier given information how the External Affairs Ministry was definitely taking the matter up. I am sure the Parliamentary Affairs Minister, Mr. Naqvi, will be able to pass on the message. I just want to remind the House that the efforts were on at that time.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I saw that statement. Naqviji may kindly convey the feelings to the External Affairs Minister and, if possible, share the position with the House.

Need for CBI inquiry into the case of a missing student of JNU

श्री विवेक गुप्ता (पश्चिमी बंगाल): डिप्टी चेयरमैन साहब, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने आज मुझे यहां खड़े होकर बोलने का मौका दिया। सर, एक छात्र नज़ीब है, जो कई महीनों से लापता है। आज मेरे ज़ीरो ऑवर का सब्जेक्ट उसी के बारे में है। सर, नज़ीब का मतलब होता है, जो सराहनीय है। मगर जे.एन.यू. के जो अधिकारी हैं, उनका जो आचरण है, उनका जो तौर-तरीका है, वह सराहनीय नहीं है। वॉर्डन की रिपोर्ट के मुताबिक 14 अक्तूबर, 2016 को यह घटना घटी, जिसमें नज़ीब और कुछ और छात्र शामिल थे। वे छात्र किसी राजनीतिक दल से संबंध रखते थे। मैं दल का नाम नहीं लेना चाहता हूं, उस पर नहीं जाना चाहता हूं। वहां पर एक झमेला हुआ। सिक्युरिटी गार्ड, स्टुडेंट्स और वॉर्डन इंचार्ज, इन सभी ने इस घटना को देखा। इसकी रिपोर्ट बनाकर दी गई, मगर आश्चर्य की बात यह है कि वाइस चांसलर से लेकर जितने भी अधिकारी इस युनिवर्सिटी के हैं, उनमें से किसी के द्वारा भी इस पर कोई एक्शन नहीं लिया गया। यहां तक कि एफ.आई.आर. दर्ज कराने के लिए भी लड़के की मां को जाना पड़ा। इसके पहले कि सरकार यह बोले कि यह युनिवर्सिटी का आंतिरक मामला है और हम लोग उसमें हस्तक्षेप नहीं करते, मुझे लगता है कि शायद लॉ एंड ऑर्डर सरकार का मामला है, और दिल्ली राज्य का होने से खास कर केंद्र सरकार का मामला है। क्या हम लोग नज़ीब को सिर्फ एक गुमशुदा स्टेटेस्टिक्स बनने देंगे? मैं आपके माध्यम से केंद्र सरकार से जानना चाहूंगा कि नज़ीब को खोजने के लिए क्या कुछ स्पेशल प्रयास किए गए हैं? क्या नज़ीब सिर्फ एक missing student की तरह बनकर रह जाएगा, जबकि यह एक क्लियर कट पोलिटिकल वेंडेटा का केस है?

सर, आजकल हम लोग देखते आ रहे हैं कि देश में पोलिटिकल वेंडेटा किस तरह से कैंसर की तरह फैलता जा रहा है। अगर कोई सरकार में है, तो उनका यह प्रयास होना चाहिए कि नज़ीब को जल्द से जल्द खोजा जाए। उसके घरवालों से, उसकी मां से ज्यादा से ज्यादा बातचीत की जाए, लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि वाइस चांसलर ने उनकी मां से मिलने तक के लिए मना कर दिया था। सर, अगर उन लोगों में संवेदना नहीं है तो कम से कम केंद्र सरकार वह संवेदना तो जगा सकती है। मेरी आपके माध्यम से यही रिक्वेस्ट है कि सरकार इस पर या तो सीबीआई इंक्वायरी कराए या कोई अन्य उचित इंक्वायरी करवाए। सरकार यह पता तो लगवाए कि यह जो नज़ीब गया है, उसके पीछे क्या कारण थे, जबकि हम लोगों को घटनाएँ मालूम हैं? सर, मजे की बात यह है कि जो लोग, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जो छात्र, इस घटना में इन्वॉल्व हैं उनसे आज तक पूछताछ तक नहीं हुई है। सर, यदि उन लोगों का कुछ स्पेशल स्टेटस है, तो हम लोगों को यह भी बता दिया जाए कि उनको पूछताछ से क्यों एग्जम्प्ट किया हुआ है?

सर, देश में यह जो पोलिटिकल वेंडेटा हो रहा है, यह एक बड़ा इश्यू बनता जा रहा है। मैं आपके माध्यम से केंद्र सरकार के संज्ञान में यह लाना चाहता हूं कि इस पर ध्यान दिया जाए और उचित कार्यवाही की जाए। हम लोगों को कम से कम एक उचित स्टेटमेंट दी जाए कि पोलिटिकल वेंडेटा पर सरकार का क्या रुख है? धन्यवाद।

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार): उसको जमीन निगल गई या आसमान उठा ले गया? कहां चला गया लड़का? ...**(व्यवधान)**... अभी तक जांच नहीं कर रही है। ...**(व्यवधान)**... एक खास दल से संबंधित लड़कों ...**(व्यवधान)**... को नहीं देख रही है, पुलिस उनसे पूछताछ नहीं कर रही है। यह क्या हो रहा है? ...**(व्यवधान)**... एक तरफ तो रोहित वेमुला को स्युसाइड करने के लिए मजबूर किया जाता है और दूसरी तरफ नज़ीब को मार दिया जाता है ...**(व्यवधान)**... और यह जाँच तक नहीं करेगी। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. You associate. That's okay. ...(*Interruptions*)... What do you want to say? ...(*Interruptions*)...

SHRI MAJEED MEMON (Maharashtra): Sir, the offence against the State needs to be examined, investigated by the State and the law must take its own course. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. You associate. ...(*Interruptions*)...

श्रीमती जया बच्चन (उत्तर प्रदेश): उपसभापति जी, मैं स्वयं को इस विषय से संबद्ध करती हूं।

श्री जावेद अली खान (उत्तर प्रदेश): उपसभापति जी, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

† **جناب جاوید علی خان (اترپردیش):** اپٗ سبھاپتی جی، میں بھی خود کو اس وِشے سے سمبدّ کرتا ہوں۔

† Transliteration in Urdu script.

SHRI MD. NADIMUL HAQUE (West Bengal): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Vivek Gupta.

SHRI MAJEED MEMON: Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Vivek Gupta.

SHRI HARIVANSH (Bihar): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Vivek Gupta.

MS. DOLA SEN (West Bengal): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Vivek Gupta.

SHRI AHAMED HASSAN (West Bengal): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Vivek Gupta.

SHRI T. K. RANGARAJAN (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Vivek Gupta.

SHRI K. T. S. TULSI (Nominated): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Vivek Gupta.

SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Vivek Gupta.

SHRI C. P. NARAYANAN (Kerala): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Vivek Gupta.

SOME HON. MEMBERS: Sir, we also associate ourselves with the matter raised by Shri Vivek Gupta.

Concern over the poor condition of ex-sportspersons of the country

SHRI MD. NADIMUL HAQUE (West Bengal): Sir, I thank you for giving me this opportunity. Sir, I want to speak about the tragedy of those who made our nation proud, that is, our ex-sportspersons.

जब अपनों ने दिया दर्द, तो दुनिया से क्या कहना
यूँ तो लाखों दर्द मिले हैं हमें, पर इस दर्द का क्या कहना।

†جب اپنوں نے دیا درد، تو دنیا سے کیا کہنا
یوں تو لاکھوں درد ملے ہیں ہمیں، پر اس درد کا کیا کہنا

Sir, while the nation is celebrating our recent win in cricket against England, there is a sad state of affairs which I would like to bring to the notice of the House through you.

† Transliteration in Urdu script.